राजयोग की शिक्षा, घर-घर को पवित्र आश्रम जैसा स्वर्ग बनाने का बल देती

विसनगर-रालीसणा(गुज.)। पवित्र जीवन यात्रा महोत्सव-2025 के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ मेहसाणा सबज़ोन द्वारा 'ऐन्जल पार्क' में अपना जीवन पवित्र बनाकर पूरी धारणाओं के साथ चलने वाले उपस्थित 1500 स्वर्ण ताजधारी माताएं, अधर कुमार एवं कुमार-कुमारियों के लिए आयोजित सम्मान समारोह में वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू दीदी,माउंट आबू ने कहा कि भगवान को ऐसे पवित्र व योगी बच्चे चाहिए जो भगवान को विश्व परिवर्तन में साथ दें। राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी ने कहा कि पूरे उत्तर गुजरात से माताएं,

अधरकुमार, कुमार-कुमारियां ऐसे विशिष्ठ रत्न हैं जिन्होंने कीचड़ में रहते हुए अपने जीवन को कमल पुष्प समान पवित्र बनाया है। गृहस्थ व्यवहार में रहते हुए, अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए यह सिद्ध कर बताया है कि घर में रहते हुए व्यवहार एवं परामर्श का बैलेंस रख सकते हैं। विसनगर के हनुमान मंदिर के महंत राजारामगिरीजी एवं विसनगर एपीएमसी के चेयरमैन प्रीतेश भाई पटेल ने भी इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की। ब्र.कु. तृप्ति ने भी अपने प्रेरणादायी विचार रखे व मेहसाणा की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. कुसुम ने सभी का दिल से स्वागत व अभिनंदन किया।

माताओं के लिए आयोजित वक्तृत्व स्पर्धा

1.ब्राह्मण जीवन में पवित्रता का महत्व
2.घर बने मंदिर
3.नारी तू नारायणी
4.गरबा स्पर्धा

अधर कुमारों के लिए क्विज, कुमार-कुमारियों के लिए शीघ्र वक्तृत्व स्पर्धा का आयोजन भी किया गया। जिसमें सभी ने बहुत ही उमंग-उत्साह से भाग लिया। हर स्पर्धा के प्रथम तीन विजेताओं को मोमेन्टो भेंट कर पुरस्कृत किया गया एवं सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित इनाम भी दिया गया।

किसानों को जैविक और प्राकृतिक खेती की दिशा में जाना चाहिए: नेताम

धमतरी-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ दिव्य धाम सिविल लाइंस धमतरी में हरदिया समाज के भवन में आयोजित 'भारतीय कृषि दर्शन एवं सम्पूर्ण ग्राम विकास' कार्यक्रम में कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि किसानों को जैविक और प्राकृतिक खेती की दिशा में आगे आना चाहिए। ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा इस दिशा में जो अभियान चलाया जा रहा है वह निश्चित रूप से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का एक प्रभावी प्रयास है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग के उपाध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. राजू,माउंट आबू ने कहा कि शाश्वत यौगिक खेती मिट्टी, जल और जैव विविधता के संरक्षण से कंपोस्ट खाद बनता है, रासायनिक खाद पर निर्भरता कम होती है जिससे किसानों की लागत में कमी आएगी और उनकी आय में वृद्धि होगी। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के ग्राम एवं कृषि विकास प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. सुमंत,माउंट आबू ने आध्यात्मिक खेती के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता दीदी ने कहा कि आज का विशाल सम्मेलन किसानों को न केवल शाश्वत यौगिक खेती के लिए ही प्रोत्साहन देगा अपितु आध्यात्मिक शाश्वत यौगिक खेती के माध्यम से किसान अपने जीवन को उज्जवल और धन्य बना सकेंगे। महापौर जगदीश रामू रोहरा, विधायक ओमकार साहू, पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद, भाजपा अध्यक्ष बी.जी. एवं जिला पंचायत अध्यक्ष अरुणसावां ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में हज़ारों किसान भाई-बहन उपस्थित रहे व मंच का कुशल संचालन ब्र.कु. प्राजक्ता ने किया।

नैतिक और चारित्रिक पतन का मूल कारण- नशा

चुनार-मीरजापुर(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा भारत सरकार के नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो के साथ हुए आपसी समझौते के अनुसार देशव्यापी रूप में चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत कैलहट,चुनार में 90 दिवसीय अभियान का भव्य आगाज़ हुआ। ब्रह्माकुमारीज़ नेपाल की अध्यक्षा एवं पूर्वी उत्तरप्रदेश की सह-निर्देशिका राजयोगिनी ब्र.कु. परिणीता दीदी ने कहा कि नशा एक सामाजिक अभिशाप है जिससे परिवार में बिखराव और सम्बन्धों में कटुता आने लगती है। हमें इस अभिशाप और अपराध वृत्ति से मुक्त होने के लिए राजयोग जीवनशैली को अपनाना होगा। श्रीनारायण स्वामी जी महाराज ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा बनकर सामाजिक परिवर्तन के लिए आगे आना होगा। आर.एस.एस. काशी प्रांत के प्रांत प्रचारक रमेश निदेशक राम प्रकाश दुबे ने ऐसे सामाजिक और आध्यात्मिक उन्नयन के कार्य में संस्था के साथ मिलकर कार्य करने की ज़रूरत पर बल दिया। कॉर्पोरेटर ट्रेनर, काउंसलर एवं हिप्नोथेरेपिस्ट ब्र.कु. डॉ. सचिन परब ने कहा कि नशे के आदी व्यक्ति को आध्यात्मिक और भावनात्मक हीलिंग प्रदान कर, आंतरिक चेतना के विकास द्वारा जीवन की नई राह प्रदान किया जा सकता है। स्थानीय सेवाकेन्द्र प्रभारी ब्र.कु. बीनू ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में ब्र.कु. तारा ने आये हुए सभी अतिथियों को नशा मुक्ति की प्रतिज्ञा कराई एवं मंच का कुशल संचालन ब्र.कु. तापोशी ने किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रबन्धक राजयोगी ब्र.कु. दीपेन्द्र, राममनोहर लोहिया विश्वविद्यालय,अयोध्या के पूर्व कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय,बलिया के पूर्व कुलपति प्रो. कल्पलता पाण्डेय, प्रो. सुनीता त्रिपाठी, चुनार आर.एस.एस. के पूर्व प्रचारक सुरेन्द्र सिंह पटेल आदि ने भी अपने विचार रखे। सभी अतिथियों ने रैली को हरी झण्डी व शिवध्वजा दिखाकर रवाना किया। अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी एशियन गोल्ड मेडलिस्ट हांगकांग,नेशनल चैंपियन, वर्ल्ड रैंक होल्डर ब्र.कु. वीरेन्द्र सिंह मकराम ने रैली का नेतृत्व किया।

शिवरीनारायण बिलासपुर विराट संत सम्मेलन

बिलासपुर-शिवरीनारायण(छ.ग.)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के धार्मिक प्रभाग द्वारा मेला ग्राउंड के पास सतसंग भवन में आयोजित 'गीता ज्ञान द्वारा सनातन संस्कृति की पुनः स्थापना' कार्यक्रम में आचार्य महामंडलेश्वर कमल किशोर,सहारनपुर ने बताया जब मैं ब्रह्माकुमारीज़ आश्रम गया तो पता चला यह तो शिव को मानती हैं। इनका मूल उद्देश्य है- नर ऐसी करनी करे जो नारायण बन जाए, नारी ऐसी करनी करे जो लक्ष्मी बन जाए। संत गोपाल दास ने बताया कि धन से ज़्यादा आवश्यक है परमात्मा की धुन में खो जाना। जिसके पास धन है वहाँ विपत्ति रहती है। परमात्मा का नाम रूपी धन सदा आपके साथ है तो सदा आप सुरक्षित रहेंगे। धार्मिक प्रभाग के ज़ोनल कोऑर्डिनेटर राजयोगी ब्र.कु. नारायण,इंदौर ने कहा कि जब आत्मा में सत्वगुण राजयोग के माध्यम से जागृत हो जाते हैं तो ही सत्य, सनातन धर्म की स्थापना प्रारम्भ होती है। हमारे संस्कार परिवर्तन होकर संसार परिवर्तित हो जाता है। विधायिका श्रीमती शेषराज हरबंस,पामगढ़ ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसा आयोजन करना अर्थात् धर्म के प्रति लोगों को जागृत करना है। महंत ओमप्रकाश ने कहा कि ऐसे संतों का आगमन हमारे शिवरीनारायण तीर्थ स्थान के लिए गौरव का विषय है और ब्रह्माकुमारीज़ सनातन धर्म की पुनः स्थापना में योगदान के लिए सराहना की। संत हौसला प्रसाद ने कहा कि बिना धर्म से जुड़े सुख-शान्ति का वास जीवन में नहीं हो सकता। स्वामी दिनेश प्रसाद गोस्वामी ने बताया कि धर्म उम्मीद जगाता है। स्वामी सुरेन्द्र ने कहा कि ऐसी बाल ब्रह्मचारी बहनें इस पुनीत कार्य में लग जाएंगी तो भारत फिर से विश्वगुरू बन जाएगा।

विश्व में एकता और विश्वास के लिए ज़रूरी राजयोग ध्यान

फरीदाबाद-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के वरदानी भवन सेक्टर 21 डी में आध्यात्मिक सम्मेलन के अंतर्गत आयोजित 'विश्व, एकता और विश्वास के लिए ध्यान' विषयक कार्यक्रम में वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. ऊषा दीदी ने कहा कि आज समाज में एकता और विश्वास की कमी के कारण मनुष्य भयभीत जीवन जी रहा है। जैसे अर्जुन की व्यथा के समय श्रीकृष्ण ने उन्हें ध्यान का अभ्यास करना सिखाया, वैसे ही आज प्रत्येक मनुष्य को ध्यान का अभ्यास करना चाहिए। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनें निःस्वार्थ भाव से विश्व के नवनिर्माण में लगी हैं। राष्ट्रीय प्रवक्ता भाजपा एवं मुख्यमंत्री सलाहकार राजीव

जेटली ने कहा कि मेडिटेशन से समाज में 30 परसेन्ट तक अपराध घट सकता है। एम.सी.एफ. के एडिशनल कमिश्नर गौरव अंटिल ने कहा कि नकारात्मक वातावरण में परमात्म स्मृति ही हमें सुरक्षित रख सकती है। श्री जगद्गुरु विजय रामदेवाचार्य भैया जी महाराज ने कहा कि यदि सांसों के साथ हम परमात्मा को स्मरण करें और अपनी इंद्रियों पर विजय प्राप्त करें, तभी ईश्वर का सानिध्य संभव है। कार्यक्रम में लायंस क्लब के प्रेसिडेंट आर.पी. हंस ने ऊषा दीदी को शॉल ओढ़ाकर व मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। इंटरनेशनल सिंगर जय गोपाल लूथरा ने परमात्मा से जुड़ी मधुर प्रस्तुतियां देकर वातावरण को आध्यात्मिकता से भर दिया। नमन प्रीत कौर ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का स्वागत किया। ब्र.कु. हरीश दीदी ने शुभकामनाएं दी, ब्र.कु. प्रीति ने स्वागत तथा अतिथियों का सम्मान किया। अंत में स्थानीय सेवाकेन्द्र प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. ऊषा दीदी,एनआईटी फरीदाबाद ने सभी अतिथियों का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संयोजन ब्र.कु. ईशू बहन ने किया।